**Request from Rajasthan for return of Tractors supplied by East Germany**

3027. SHRI BRIJ RAJ SINGH—KOTAH : Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state :

(a) whether Rajasthan Government have written the Union Government that the East German Tractors supplied to Rajasthan farmers are un-serviceable and should be returned ; and

(b) if so, the reaction of Union-Government thereon ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI ANNASAHEB P. SHINDE) : (a) and (b). Yes, Sir. The matter is under consideration of the Government.

**ग्रामीण रोजगार के लिये तुरन्त कार्यक्रम के अन्तर्गत हरिजनों और अन्य पिछड़े वर्गों के लिये सुविधायें**

3028. **श्री ईश्वर चौधरी** : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) जिन हरिजनों, पिछड़े वर्गों के लोगों के लिए ग्रामीण रोजगार के लिए तुरन्त कार्यक्रम के अन्तर्गत रोजगार दिए गए हैं उनकी कितनी संख्या है; और

(ख) इस बारे में भावी योजना क्या है ?

**कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (शेर सिंह) :** (क) तथा (ख). इस योजना में श्रम प्रधान तथा स्थायी स्वरूप की परिसंपत्तियां तैयार करने वाली विभिन्न किस्मों की ग्राम परियोजनाओं के जाल के माध्यम से अतिरिक्त रोजगार के अवसरों की व्यवस्था करने की परिकल्पना की गई है । देश के प्रत्येक जिले में औसतन 1000 व्यक्तियों को वर्ष में लगभग 10 महीनों के लिए रोजगार दिया जाएगा । इस आशय के अनुदेश जारी किए गए हैं कि रोजगार के लिए ऐसे परिवारों में से व्यक्तियों को चुनने में तरजीह दी जानी चाहिए जिसमें कोई कमाने वाला न हो । इस प्रकार समाज के सबसे जरूरतमंद व्यक्तियों को रोजगार दिए जाने की आशा है । अतः हरिजन तथा दूसरे लोग जो किसी भी क्षेत्र में सब से अधिक जरूरतमंद लोग हैं, को उस सीमा तक रोजगार उपलब्ध होगा ।

इस योजना का कार्यान्वयन अभी-अभी शुरू हुआ है । जब तक इस योजना को पूरी तरह कार्यान्वित नहीं किया जाता है, तब तक यह पता नहीं चल सकेगा कि उसमें कितने हरिजनों तथा दूसरों को रोजगार मिला है ।

**मध्य प्रदेश में चीनी मिलों की संख्या और उत्पादित चीनी की मात्रा**

3029. **श्री हुकम चन्द कछवाय :**
**श्री धनशाह प्रधान :**

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मध्य प्रदेश में इस समय गैर-सरकारी और सहकारी क्षेत्रों में अलग अलग कितनी चीनी मिलें हैं; और

(ख) राज्य सरकार के पास इस समय चीनी का कितना भण्डार उपलब्ध है ?

**कृषि मन्त्रालय में राज्य मन्त्री (श्री शेर सिंह) :** (क) मध्य प्रदेश में इस समय 5 चीनी मिलें कार्य कर रही हैं जोकि सभी गैर सरकारी क्षेत्र में हैं ।

(ख) राज्य सरकार अपने पास चीनी का कोई स्टाक नहीं रखती है । मध्य प्रदेश में स्थित चीनी कारखानों के पास उनके नामों के आगे

दिखाई गई तारीख को चीनी के स्टाक का ब्योरा नीचे दिया जाता है :—

| क्र. सं. | ज़िला सहित स्थान | स्टाक (मीटरी टन) |
|---|---|---|
| 1. | डबरा, जिला ग्वालियर | 8874.0 (22-5-71 को) |
| 2. | जावरा, जिला रतलाम | 8518.0 (7-6-71 को) |
| 3. | दालौदा, जिला मन्दसौर | 5841.0 ( ,, ) |
| 4. | सेहोर, जिला सेहोर | 10936.0 ( ,, ) |
| 5. | महिदपुर रोड, जिला उज्जैन | 3091.0 ( ,, ) |

**रोजगार कार्यालयों, मनीपुर में पंजीकृत व्यक्ति**

3030. **श्री हुकम चन्द कछवाय** : क्या **श्रम और पुनर्वास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(ज) 1 जनवरी 1969 से आज तक मनीपुर स्थित रोजगार कार्यालयों में कितने शिक्षित और अशिक्षित व्यक्तियों ने अपने नाम पंजीकृत कराये हैं;

(ख) इस अवधि में रोजगार कार्यालयों के माध्यम से कितने व्यक्तियों को रोजगार मिला; और

(ग) अधिकाधिक लोगों के लिए रोजगार की व्यवस्था करने की दृष्टि में आगामी वर्ष में और अधिक रोजगार के अवसर बनाने हेतु कौन सी योजना सरकार के विचाराधीन है ?

**श्रम और पुनर्वास मंत्री (श्री आर. के. खाडिलकर)** : (क) और (ख). प्राप्त सूचना संलग्न विवरण में दी गई है ।

(ग) चौथी पंचवर्षीय योजना में आर्थिक विकास और सामाजिक सेवा क्षेत्र के विकास की कई प्रायोजनायें हैं । आशा है ये प्रायोजनायें तथा पंचवर्षीय योजना में सम्मिलित अन्य योजनाएं जैसे जैसे लागू की जायेंगी, नियुक्ति के अधिक से अधिक अवसर प्राप्त होंगे ।

**विवरण**

| काम चाहने वालों की श्रेणी | वर्ष में दर्ज बेरोजगारों की संख्या 1969 | 1970 | वर्ष में नौकरी चाहने वालों की संख्या 1969 | 1970 |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| 1. शिक्षित (मैट्रिकुलेट और अधिक) | 5,223 | 4,398 | 159 | 235 |
| 2. अशिक्षित (अनपढ़ समेत, मैट्रिक से कम) | 5,804 | 5,670 | 394 | 130 |
| जोड़ | 11,027 | 10,068 | 353 | 365 |

**नोट** :—नियुक्ति सहायता के लिए नियोजन कार्यालयों में नाम दर्ज कराने वाले शिक्षित बेरोजगारों के संबंध में जानकारी छ: माह बाद प्रतिवर्ष जून और दिसम्बर, में एकत्र की जाती है ।